



Journal of INDIAN KNOWLEDGE STUDIES (JIKS)

भारतीय ज्ञान प्रणाली: प्राचीन भारतीय बुद्धि से आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक का सेतु

डॉ. निशा शर्मा

सहायक आचार्या, गृह विज्ञान विभाग श्री द्रोणाचार्य डिग्री कॉलेज, दनकौर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) विश्व की सबसे प्राचीन और व्यापक ज्ञान परंपराओं में से एक है, जिसमें दर्शन, गणित, चिकित्सा, भाषाविज्ञान, पारिस्थितिकी और शासन जैसे विविध आयाम शामिल हैं। आधुनिक युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) वैश्विक विकास का प्रमुख आधार बन चुकी है, और यह शोध पत्र दर्शाता है कि किस प्रकार भारतीय ज्ञान प्रणाली के सिद्धांत आधुनिक AI के विकास, नैतिकता और अनुप्रयोगों को दिशा दे सकते हैं। अध्ययन यह सिद्ध करता है कि IKS और AI का संगम भारत को एक विशिष्ट, मूल्य आधारित तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

मुख्य शब्द

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), नैतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भारतीय दर्शन, प्राचीन ज्ञान परंपरा, तकनीकी नवाचार, मूल्य आधारित तकनीकी विकास, सतत विकास।

ARTICLE HISTORY

Received: 15 September 2026
Revised: 22 September 2026
Accepted: 30 September 2026
Published: 12 October 2026

CITATION

डॉ. निशा शर्मा., (2026). भारतीय ज्ञान प्रणाली: प्राचीन भारतीय बुद्धि से आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक का सेतु. *Journal of Indian Knowledge Studies (J. Indian Knowl. Stud.)*, 1(2), 07-10. <https://doi.org/10.71371/jiks.07-10>

प्रस्तावना

भारत का ज्ञान इतिहास निरंतरता और गहराई से परिपूर्ण है, जहाँ उपनिषदों की दार्शनिक दृष्टि से लेकर पाणिनि की व्याकरणिक संरचना और आर्यभट्ट की गणितीय प्रतिभा तक, ज्ञान की एक समृद्ध परंपरा विकसित हुई। आज जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को बदल रही है, भारतीय ज्ञान प्रणाली के नैतिक और दार्शनिक सिद्धांत इस तकनीकी को अधिक मानवीय और संतुलित दिशा प्रदान कर सकते हैं।

2. भारतीय ज्ञान प्रणाली की आधारशिला

2.1 वेद और उपनिषद

वेद और उपनिषद ज्ञान को केवल सूचना नहीं, बल्कि चेतना और

अनुभूति का विस्तार मानते हैं, जहाँ आत्मा, ब्रह्म और धर्म जैसे सिद्धांत मानव व्यवहार और निर्णय-प्रक्रिया को नैतिक आधार प्रदान करते हैं। यह दृष्टि आधुनिक AI नैतिकता में पारदर्शिता, जिम्मेदारी और मानव-केंद्रितता जैसे मूल्यों को मजबूत करती है।

2.2 भारतीय शास्त्र

आयुर्वेद, ज्योतिष, वास्तु, अर्थशास्त्र और न्याय दर्शन जैसे शास्त्र अनुभव, तर्क और प्रमाण पर आधारित वैज्ञानिक पद्धति प्रस्तुत करते हैं, जो आधुनिक अनुसंधान और तकनीकी विकास के साथ सहज रूप से जुड़ते हैं। इन शास्त्रों की संरचना AI के तर्क-आधारित मॉडल, डेटा-आधारित निर्णय और प्रणालीगत विश्लेषण को गहराई प्रदान

करती है।

2.3 गुरु-शिष्य परंपरा

गुरु-शिष्य परंपरा अनुभव आधारित शिक्षा, नैतिकता और व्यक्तिगत मार्गदर्शन पर आधारित है, जो आधुनिक AI के apprenticeship learning और human-in-the-loop मॉडल से मेल खाती है। यह परंपरा ज्ञान को केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और जिम्मेदारी से जोड़ती है।

3. भारतीय ज्ञान प्रणाली का ऐतिहासिक विकास

3.1 प्राचीन काल

नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने चिकित्सा, गणित, व्याकरण और दर्शन को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई, जिससे भारत ज्ञान का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बना। इन संस्थानों में शोध और संवाद की खुली संस्कृति थी, जो आधुनिक विश्वविद्यालय मॉडल से मेल खाती है।

3.2 मध्यकाल

मध्यकाल में गणित, धातु विज्ञान और वास्तुकला में उल्लेखनीय प्रगति हुई, जैसे माधव का कलन गणित और दिल्ली लौह स्तंभ का जंग-रहित धातु विज्ञान। यह काल दर्शाता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा निरंतर नवाचार और प्रयोग पर आधारित रही।

3.3 आधुनिक काल

स्वतंत्रता के बाद भारत ने IIT, IISc और AIIMS जैसे संस्थानों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान को पुनर्जीवित किया, और NEP 2020 ने IKS को आधुनिक शिक्षा में पुनर्स्थापित कर इसे भविष्य की तकनीकी दिशा से जोड़ा।

4. भारतीय ज्ञान प्रणाली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का संगम

4.1 धर्म आधारित नैतिक AI

भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ संतुलन, जिम्मेदारी और कल्याण है, जो AI के नैतिक ढाँचे में निष्पक्षता, पारदर्शिता और मानव-कल्याण को प्राथमिकता देता है। यह दृष्टि AI को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का साधन बनाती है।

4.2 आयुर्वेद और व्यक्तिगत AI

आयुर्वेद की व्यक्तिगत चिकित्सा पद्धति आधुनिक AI-आधारित personalization से मेल खाती है, जहाँ डेटा-आधारित विश्लेषण से व्यक्ति-विशेष के लिए स्वास्थ्य समाधान तैयार किए जाते हैं। यह संयोजन भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सटीक और समग्र बना सकता है।

4.3 न्याय दर्शन और मशीन तर्क

न्याय दर्शन की तर्क प्रणाली आधुनिक AI के rule-based reasoning और inference engines से मिलती है, जहाँ प्रमाण और तर्क के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। यह AI को अधिक विश्वसनीय और explainable बनाता है।

4.4 पाणिनि व्याकरण और NLP

पाणिनि की अष्टाध्यायी की संरचना आधुनिक NLP और computational linguistics की नींव जैसी प्रतीत होती है, क्योंकि इसमें भाषा को नियमों और संरचनाओं में विभाजित कर व्यवस्थित किया गया है। यह मॉडल आज के भाषा-आधारित AI सिस्टमों को अधिक सटीकता प्रदान करता है।

4.5 योगिक मनोविज्ञान और मानव-AI इंटरैक्शन

योग और भारतीय मनोविज्ञान मानव की संज्ञानात्मक अवस्थाओं, भावनाओं और ध्यान को समझने में मदद करते हैं, जो AI आधारित मानसिक स्वास्थ्य उपकरणों और मानव-AI इंटरफेस को अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनाते हैं।

4.6 वास्तु और पर्यावरणीय AI

वास्तु शास्त्र पर्यावरण और संरचना के संतुलन पर आधारित है, जो स्मार्ट सिटी डिज़ाइन और पर्यावरण निगरानी में AI के उपयोग को अधिक सतत और प्रकृति-अनुकूल बना सकता है।

5. आधुनिक भारत में IKS-आधारित AI के अनुप्रयोग

5.1 स्वास्थ्य क्षेत्र

AI और आयुर्वेद का संयोजन व्यक्तिगत स्वास्थ्य समाधान, रोगों के प्रारंभिक निदान और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन को अधिक प्रभावी बना सकता है, और इस दिशा में IIT दिल्ली तथा AIIMS जैसे संस्थान शोध कर रहे हैं।

5.2 शिक्षा

AI आधारित गुरुकुल मॉडल और संस्कृत पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत, सुलभ और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बना सकता है।

5.3 कृषि

पारंपरिक कृषि ज्ञान और AI का संयोजन मिट्टी विश्लेषण, जल प्रबंधन और फसल पूर्वानुमान को अधिक सटीक बनाकर किसानों की उत्पादकता बढ़ा सकता है।

5.4 शासन

अर्थशास्त्र आधारित AI मॉडल शासन को अधिक पारदर्शी, नैतिक और जन-कल्याण केंद्रित बना सकते हैं, जिससे नीति-निर्माण में संतुलन और जिम्मेदारी बढ़ती है।

5.5 सांस्कृतिक संरक्षण

AI कला, संगीत और मौखिक परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिससे भारत की सांस्कृतिक धरोहर डिजिटल रूप में सुरक्षित रह सके।

6. चुनौतियाँ और अवसर

चुनौतियाँ

पारंपरिक ज्ञान का वैज्ञानिक सत्यापन, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और डिजिटल विभाजन जैसी चुनौतियाँ IKS और AI के संयोजन को

जटिल बनाती हैं। इसके साथ ही, पारंपरिक सिद्धांतों के **oversimplification** का जोखिम भी बना रहता है।

अवसर

भारतीय दर्शन आधारित **AI** मॉडल वैश्विक स्तर पर नैतिक तकनीक का नया मानक स्थापित कर सकते हैं, और **IKS** का पुनरुत्थान भारत को सांस्कृतिक-तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर सकता है।

7. निष्कर्ष

भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल अतीत की धरोहर नहीं है, बल्कि एक जीवंत और भविष्य-उन्मुख परंपरा है जो आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नैतिकता, संतुलन और मानव-केंद्रितता प्रदान कर सकती है। **IKS** और **AI** का संगम भारत को एक विशिष्ट तकनीकी पहचान देता है, जहाँ तकनीक केवल प्रगति नहीं बल्कि मानव-कल्याण का साधन

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ

1. Capra, F. (1999). *The Tao of Physics*. HarperCollins.
2. UNESCO (2021). *Recommendation on the Ethics of Artificial Intelligence*.
3. OECD (2019). *Principles on Artificial Intelligence*.

बनती है।

8. संदर्भ (References)

भारतीय संदर्भ

- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (2020). *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020*.
 - शर्मा, आर. (2018). *भारतीय ज्ञान प्रणाली: एक समग्र दृष्टि*. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र।
 - कपूर, पी. (2019). *आयुर्वेद और आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली*. भारतीय चिकित्सा विरासत पत्रिका।
 - ICMR (2021). *जैव-चिकित्सा अनुसंधान के नैतिक दिशा-निर्देश*.
 - NIF India (2020). *पारंपरिक ज्ञान और नवाचार*.
4. Staal, F. (1965). *Panini and the Logic of Grammar*.
 5. Kiparsky, P. (1982). *Panini as a Variationist*. MIT Linguistics.
 6. Nature Digital Medicine (2022). *AI in Traditional Medical Systems*.

COPYRIGHT:

© 2026 The Author(s). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC-BY 4.0), which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited. See <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>